------हम मोहनदास गांधी को भारत का राष्ट्रपिता क्यों नहीं मान सकते ------

1. गांधी ने भारत के टुकड़े करके पाकिस्तान को बनाया हम इन्हे पाकिस्तान का राष्ट्रपिता मान सकते है ।
2. गांधी केवल 20% आबादी (मुस्लिम ,पारसी) के लिए लड़ते रहे वहीं 80% (हिन्दू , सिख ,जैन ,अन्य) के लिए कुछ नहीं किया उनपर हो रहे अत्याचार पर भी चुप रहे ।
3. गांधी ने शिव बावनी पर रोक लगा दी

   शिवा बावनी-

शिवा बावनी, महाकवि भूषण द्वारा रचित एक काव्य है जिसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य, पराक्रम और हिंदू धर्म तथा राष्ट्र की रक्षा के लिए किए गए कार्यों का वर्णन है। इसमें 52 छंद हैं, इसलिए इसे 'बावनी' कहा जाता है।

शिवा बावनी, छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और कार्यों पर आधारित एक प्रसिद्ध रचना है। Wikipedia के अनुसार यह काव्य भूषण द्वारा 52 छंदों में रचा गया है, जिसमें शिवाजी के पराक्रम, वीरता, और धर्मनिष्ठता का वर्णन है। इस रचना में शिवाजी को एक महान योद्धा और धर्मरक्षक के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिन्होंने मुगल शासकों के खिलाफ संघर्ष किया और हिंदुओं की रक्षा की।

शिवा बावनी के कुछ प्रमुख अंशों में शामिल हैं:

शिवाजी के युद्धों का वर्णन:
इसमें शिवाजी की युद्धों में वीरता और रणनीति का उल्लेख है, जैसे कि "साजि चतुरंग बीररंग में तुरंग चढ़ि।"

हिंदू धर्म की रक्षा:
शिवाजी को हिंदू धर्म के रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिन्होंने मुगल शासकों के अत्याचारों से हिंदुओं को बचाया।

राष्ट्रभक्ति:
शिवाजी की राष्ट्रभक्ति और मराठा साम्राज्य की स्थापना के प्रयासों का वर्णन है।

रोक इसलिए लगाई गई क्युकी 20% आबादी को उससे दिक्कत था वो शिवा बवानी सुन नहीं पाते थे ।

4. गांधी ने वंदे मातरम पर रोक लगा दी क्युकी 20% आबादी उसे गा नहीं पाती थी ।
5. गांधी ने हिन्दू मुस्लिम एकता के नाम पर उन्होंने कहा की अब हम हिन्दुस्तानी भाषा लागू करेंगे , और उस हिन्दुस्तानी भाषा को लागू करते करते जिसमे उर्दू ज्यादा और हिन्दी काम थी क्युकी एकता की भाषा बनाई है उन्होंने
6. गांधी ने माता सीता को बेगम सीता और श्री राम चंद्र को बादशाह राम कह कर पुकारा ।
7. उनकी इतनी हिम्मत नहीं हुई की जिन्ना को श्री जिन्ना कह कर बुलाए और मौलाना आजाद को पंडित आजाद कह कर पुकारे ।

- भारत मे रेल मे 4 तरह के डिब्बे होते है ac, first class, second class, third class .
- उस समय देश के लगभग आधी आबादी इतनी गरीब थी की वो लोग third class की टिकट भी नहीं खरीद सकते थे , तब गांधी third class मे घूमना सुरू किए ,वहाँ ऐसे ही बहुत भीड़ होती थी ये और भीड़ बढ़ा देते थे ये जनता की मदत नहीं करते थे और तो और चूंकि गांधी जी third class मे घूमते थे तो पूरा कॉम्पार्टमेंट ही उनके नाम पर बुक हो जाता था , 60 सीट के डिब्बे मे जीमे 80-90 लोग जा सकते थे उसमे केवल और केवल गांधी घूमते थे ।
- गांधी बकरी का दूध पीते थे क्युकी उस समय वही सबसे सस्ता मिलता था लेकिन उनकी बकरी भी आलीशान जिंदगी जीती थी , वो लक्स टॉइलेट साबुन से नहाती थी , उस बकरी का रोज का खाना रु.10 का होता था , उस समय रु.10 विद्यालय के अध्यापकों की एक महीने वेतन हुआ करता था
- सरोजनी नायडू ने एक बार कहा था की गांधी जी की गरीबी बहुत महंगी है □□ उनके गरीबी को बनाए रखने के लिए हमे देश के खजाने को लूटना पड़ेगा ।

----आशा है ये पढ़ कर आपके आँख से पट्टी हट जाएगा की आज के सभी जागरूक भारतीय गांधी को राष्ट्रपिता क्यू नहीं मानते ----

- सौरभ सिंह(कार्तिक≈आर्य•हिन्दू)

- ॐ